सेंट पीटर्सबर्ग में जी-8 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सेशन में भाग लेने के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री का वक्तव्य

दिनांक 16 जुलाई, 2006
नई दिल्ली

मैं कल होने वाले जी-8 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सेशन में भाग लेने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा हूं। हम राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, जो जी-8 शिखर सम्मेलन के आयोजक हैं, द्वारा भारत को इसमें आमंत्रित करने हेतु की गई पहल का स्वागत करते हैं। इस सत्र में ब्राजील, चीन, मैक्सिको, दक्षिणी अफ्रीका, कांगो तथा कज़ाकिस्तान भी भाग लेंगे। एजेंडा के मुख्य मुद्दों में विश्व ऊर्जा सुरक्षा, शिक्षा और संक्रामक रोगों से लड़ना शामिल हैं। ये सभी मुद्दे विश्व समुदाय के लिए बहुत महत्व रखते हैं।

हम उम्मीद करते हैं कि सेंट पीटर्सबर्ग शिखर सम्मेलन से विश्व के औद्योगिक राष्ट्रों और बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सुरक्षा, विश्व व्यापार, आतंकवाद और वैश्वीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा करने का एक उपयोगी अवसर मिलेगा।

विश्व के विभिन्न हिस्से आतंकवाद के खौफ और पीड़ा से त्रस्त हैं। हाल ही में मुम्बई और श्रीनगर में हुए हमलों ने फिर एक बार जता दिया है कि आतंकवाद के कारण लोगों को अपनी जान की कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है।

हम जी-8 शिखर सम्मेलन में एकत्र हो रहे नेताओं से आग्रह करेंगे कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को किसी भी जगह आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त न

करने का दृष्टिकोण अपनाना होगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चाहिए कि आतंकवादी चाहे कहीं भी हमला करें, उनका चाहे जो कुछ भी उद्देश्य हो और चाहे जो भी देश अथवा संगठन उनको पनाह और मदद दे, उन्हें अलग-थलग किया जाए और उनकी कड़ी निंदा की जाए।

मैं सेंट पीटर्सबर्ग में अपने प्रवास के दौरान वहां मौजूद विश्व नेताओं से भी मिलने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं। इनमें रूस के राष्ट्रपति श्री पुतिन, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री बुश, चीन के राष्ट्रपति श्री हू जिन्ताओ, ब्राजील के राष्ट्रपति श्री लूला डा सिल्वा, जर्मनी के चांसलर श्री मर्केल तथा जापान के प्रधानमंत्री श्री कोईजुमी शामिल हैं। मैं रूस तथा चीन के राष्ट्रपतियों के साथ सेंट पीटर्सबर्ग में होने वाली शिखर स्तर की पहली त्रिपक्षीय बैठक में भी भाग लूंगा।

******